

सनेह सरिता बहाई (२०)

आज साईं की जन्म की बहार छाई है॥
चांद तारे ये सभी दे रहे बाधाई हैं॥
खुशी से आज खिली हैं सभी की दिल की कली।
आश लता फूली फली सुख से लहलाहाई है॥१॥

हर तरफ बरस रही आज हर्ष की वर्षा
बड़े सौभाग्य से अब शुभ घड़ी यह आई है॥२॥

सदा खिलता रहे यह लाल का मुख हर्ष भरा
सारे जग में जस चान्दनी फैलाई है॥३॥

लाला तेरे सनेह से यह धन्य हुआ सारा जहान।
मधुर सनेह की सरिता सुखद बहाई है॥४॥

चिर जीओ मन हरण मैगसि चन्द्र जू।
गगन से देवों ने जै दुदंभी बजाई है॥५॥